22100132

International Baccalaureate®
Baccalauréat International
Bachillerato Internacional

HINDI A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 2
HINDI A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 2
HINDI A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 2

Friday 14 May 2010 (morning)
Vendredi 14 mai 2010 (matin)
Viernes 14 de mayo de 2010 (mañana)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à amener des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.
- No se permite traer a la sala de examen copias de las obras estudiadas.

© International Baccalaureate Organization 2010

https://xtremepape.rs/

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु ये भाग तीन में पढ़ी हुई दो कृतियों से अतिरिक्त होनी चाहिए। आप अन्य कृतियों की चर्चा कर सकते हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

कविता

१. "एक कविता का जन्म अक्सर फुरसत के क्षण जैसे; अवकाश, एकांत अथवा प्रेम और यौवन जैसे विषयों को लेकर होता है जिसके आधार पर कवि अपनी कविता का सृजन करता है।" जिन दो कवियों को आपने पढ़ा है उनकी कम से कम दो कविताओं की तुलना करते हुए बताइए कि कवियों ने अपनी कविताओं में इन विषयों का उपयोग किस सीमा तक प्रभावी ढंग से किया है ?

२. "एक कवि अपनी कविता में शब्द, अर्थ, पंक्ति, लय और अलंकारों की एकता की अपेक्षा करता है।" अपनी पढ़ी हुई दो कवियों की कम से कम दो कविताओं के आधार पर बताइए कि उनमें इन तत्वों की एकता किस सीमा तक उपस्थित है ?

उपन्यास

३. आपके द्वारा पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइए कि उपन्यासकारों ने असमानता एवं अन्याय जैसी समस्याओं को किस सीमा तक उजागर एवं प्रतिकार किया है और इसमें वे कहॉ तक सफल और प्रभावशाली रहे हैं ?

४. अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों की तुलना के आधार पर बताइए कि विभिन्न उपन्यासकारों ने विभिन्न चरित्रों को प्रस्तुत करने में जीवन के सांस्कृतिक पक्ष का सहारा कैसे लिया है ?

कहानी

५. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि वे कैसे और किस सीमा तक सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना को एक महत्त्वपूर्ण भावना के रूप में प्रकट करते है ?

६. किसी महत्त्वपूर्ण रहस्य को समय व आवश्यकतानुसार प्रकट करने के अतिरिक्त कहानियों की भाषा पैनी और मुहावरेदार होनी चाहिए जिससे कि ये रोचक और प्रभावशाली हों। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर इस कथन की सत्यता की समीक्षा कीजिए।

https://xtremepape.rs/

नाटक

७. नाटक की सफलता मात्र हमारी पसंद पर निर्भर नहीं करती वरन जब पाठक अपनी पहचान को नाटक के पात्रों से अपने आप को जोड़ कर देखता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों के आधार पर बताइए कि आपको कौन सा पात्र या घटनाएँ स्वाभाविक लगीं ?

८. नाटकों में पुरूष पात्रों की तुलना में स्त्री पात्रों की भूमिका कम महत्त्वपूर्ण और कम रूचिकर होती है। इस कथन से अपनी सहमति अथवा असहमति व्यक्त करते हुए बताइए कि कम से कम जिन दो नाटकों को पढ़ा है उनके नाटककारों ने अपने नाटकों के माध्यम से लिंग भेद की समस्या को किस सीमा तक उजागर किया है ?

निबंध

९. निबंध को प्रभावी होने के लिए, एक सीमित आकार के भीतर किसी विषय का वर्णन एक विशेष निजीपन, आवश्यक संगति तथा संबद्धता के साथ किया जाता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों के आधार पर उपर्युक्त कथन की समीक्षा करें।

१०. एक सफल निबंध पाठकों का मन मोह लेती है और हमें सोचने, समझने और विश्वास के लिए बाध्य कर देती है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो निबन्धों के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

साधारण प्रश्न

११. मनुष्य एवं समाज के सम्बंधों एवं मनुष्य की समाज पर निर्भरता को साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से किस सीमा तक और कैसे प्रस्तुत किया है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं पर विचार विमर्श करते हुए बताइए।

१२. एक लेखक के अनुसार, साहित्य के तीन शाश्वत मूल्य हैं- सत्य की अभिव्यक्ति, लोक कल्याण की भावना तथा सौन्दर्य का प्रतिपादन। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं की तुलना करते हुए बताइए कि इन में से किसी एक को प्रस्तुत करने में रचनाकार ने किस सीमा तक सफलता प्राप्त की है ?

१३. संदेह और शक निश्चित ही सुखद नहीं है किंतु साहित्यिक रचनाओं मे इनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर संदेह के प्रभाव और परिणामों की तुलना कीजिए।

१४. "साहित्य में 'विजेता' और 'पराजित' दोनों का वर्णन मिलता है।" जिन रचनाओं को आपने पढ़ा है उनमें से कम से कम दो लेखकों ने इन्हें किस प्रकार प्रस्तुत किया है ?

https://xtremepape.rs/